

इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ बुळें.

—: हस्त लिखित ग्रंथ संग्रह :—

ग्रंथ क्रमांक

५

२२६ (२२६)

ग्रंथ नाम

२२६ पदे

विषय

मराठी कान्य



३१०५

५-११  
६-३

मराठी

११६/४२२६

नुकाराम-सोपे धरणे धरून

बसल्या लोकांचे अगिवा

कसाड-काजी



मराठी काव्य

चा तन घली नार डे ॥१॥ ब्रा  
नी ये काः उ डी घाली म्पो तु काः ॥३॥  
पुष्पी के दे ठीः नी भी ल वारी या च  
ने टीः ॥१॥ घृ ॥ हा ले न म उ रोक डाः  
क लों ये तो र व रा ॥५॥ तो डी ली  
यां ब लेंः वां या ज ॥ ता ची फ रेंः ॥१॥  
तु का म्पो मनः जा या आ प लें का र पाः  
॥३॥ ५ ॥ ५ ॥ ० ० ॥ हा ल उ नी खुं टः आ धी  
रिं ब र क टः ॥१॥ घृ ॥ म ग त या च



॥ धारें करणें तें लाव घें वरें ॥ ५० ॥  
स्व दुस्व राहेः दुर्षा मर्षे लांगानये ॥ २ ॥  
तु का म्हु पो जी वें लाखी मरो नी रा हा वेंः  
॥ ३ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ०० ॥ बो वोल सो पेः परी क  
री तां यी र कां पेः ॥ ५२ ॥ न के वै रा ग्य सो  
पारेंः म ज बो ल वां म रे व रेंः ॥ ५३ ॥ वी  
न रा वा वें ग्रा सो ग्रा सीः ध न्य तो ची ये कु  
सो सीः ॥ ५४ ॥ तु का म्हु पो क र नी दा वीः या  
ग ये मा शे जी वीः ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ०० ॥



॥ शुभेवंतकावेः ये तासलनासौचा  
 नावेः ॥१॥ घृ॥ नेयेमाशेवाचेतुटीः  
 माहालाफुफुकासाटीः ॥४॥ वीं प्रां  
 तीचाठावः पाईं तीयेपावः ॥२॥  
 तुकाम्हणेजपेः तीयाजातीपा  
 पेः ॥३॥ ४॥ ४॥ ४॥ तीमणायडेः मोक्ष  
 सायोजीतालोडेः ॥१॥ घृ॥ येसासंतं  
 चामहीमाः जालीबोलायाचीसीमाः  
 ॥४॥ तीर्थेपर्वकारः जवळीपां

(2A)



(3) 10  
पेंसकळः॥२॥ तुकाम्हुपो देवाः ज्या  
केली पावेसे वाः॥३॥ ६७॥ ६७॥ ०० संतमा  
रगें चालतीः यांची लागो मज मातीः  
॥१॥ ६७॥ कायेकरां गघनेः कायेये  
कनकेतेपो॥६॥ षयेयीन उची  
एः घाये घतीः पोः॥२॥ तुकाम्हु  
पो संतां पायीः जीवठे विलानीं श्रु  
यीः॥३॥ ६७॥ ६७॥ ०० मारगें वहुतः याची  
नेले साधु संतः॥१॥ ६७॥ ऐसी गज



(3A)  
॥ ती पुराणोः नका जा उं बा उ राणोः ॥ ६  
चो रवा ल्या वा टाः नल गती पुसा  
व्या षो पटाः ॥ ५ ॥ इ ल क ती प ता काः  
गरु उ ट के म्हा ले ॥ ३ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ०  
करि तां दे वा र्च ॥ रा ला ले सं त ज  
नः ॥ १ ॥ ४ ॥ दे व ॥ वे पर तेः सं त पु जा  
वे ला र तेः ॥ ७ ॥ सा ली ग्राम वी षु मु  
तीः सं त हो कां प ल ते या तीः ॥ २ ॥ बु का  
म्हो सं हीः ला षी क वे षा वां नी मा



(4A)  
॥२॥ तुकां म्हुपो नाहीः सुतदया ज्या  
चा ठायीः ॥३॥ ७॥ ७॥ ०० हरिहरा षेदः  
नाहीं करुं नये वादः ॥१॥ ७॥ ७॥ ०० एकये  
काचे हदैः गो र्खरे चे ठायीः ॥७॥  
षेदकां सीमा की वेळाची ला  
डः ॥२॥ तुका म्हुपो वा मा गः दां हीं मी  
खोनी एकची लांगः ॥३॥ ७॥ ७॥ ००  
लुटा संत जनः बमुप हे रा सी घ  
नः ॥१॥ ७॥ तारुं ला ग लें बं दरिः चं क

सागोचीयेतीरीं॥५॥ नलगकोहाज  
कः द्यावद्यालारेसकळः॥२॥ तुकाज  
वकीहमालः पारचालबीवीठलः॥३॥  
लागलेपरते॥४॥ नंदाचेवरते॥५॥  
॥६॥ शालाहनि॥ ७॥ ताराः सीडला  
गलेपराशा॥८॥ नीलेसकळः वा  
कवैसोनीगोपा॥९॥ तुकाम्हपोवा  
टः बरविसांपडलीनीटः॥१०॥  
लाउनीकाहाळाः बरवाकरितसो



own project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. Digitized by eGangotri

हं ब्रह्माः ॥१॥ अथ ॥ जावों सादावी तजनाः  
अथ नाहीं ससु जानाः ॥२॥ गाताना  
च तल्यानंदेंः याळ्या गरीयांच्या  
छंदेंः ॥३॥ तुका म्हणे फवः नाहीं पुढें  
येतो देवोः ॥४॥ ॥००॥ ध्यांवेयासी  
फावेः दुजे उगळे गोवेः ॥५॥ अथ ॥  
ध्यावे मरुनीयां प्यरः मगनाहीं वे  
रसारः ॥६॥ अथ पी उर्षे केलेंः पुं उ  
लीकें या उगळेंः ॥७॥ तुका म्हणे ठसाः



Joint project of the Pata Shiksha Samiti, Dhule and the Maharashtra Chhatra Prasthiti Mandal, Mumbai.

गलापडोनीयां आशाः ॥३॥६७॥६७॥०००

लंकापुरीसब्राम्हाज्ञानदेवाचंदे

(6) ठकीं चरणों वैसलादीवस ४२ बेताली

सः तो ब्राम्हाज्ञाने देवांसपा

ठविला तुकावा वीयापासीयाब

दललर्षा गरीसकेलेः ॥ श्रीवी

ठलायेन माः ॥ श्रीपंठरीशापतीत्

पावनाः येकीवीज्ञापनाः पायांपा

सीः ॥१॥ आनंतांजीवाचातुंकाज



Joint project of the Kalyanwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

कैवारीः ऐसी चराचरी ब्रीदावलीः  
॥२॥ नसंतौ गतां कळेळं तरीचें गु  
जः आतां तुशीलाजः तुज देवाः ॥३॥  
आली करया ॥ ४ ॥ रिपमाधानः अ  
पयाचें दावः ॥ ५ ॥ तुका म्  
णे तुंचरवेळे देः ॥ ६ ॥ नसेल तो दे  
ईः धीरमनाः ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ अगाये तु  
दाराः अगावीं सर्व पराः रकुमाईच्या  
वराः पांडुरंगाः ॥ ११ ॥ अगा सर्वोत्तमा

(क) १५

अगा लक्ष्णा रामाः अगा मेघश्यामाः  
वीश्वलनीयाः ॥१॥ अगा लपुवंताः  
जीवदानतुंदाताः अगा सर्वसताः ध  
रीतीयाः ॥३॥ अगा सर्वजाणाः अगा  
नारायणाः कवचवचपाः चीतद्या  
वेंः ॥४॥ तुकामहे हीलाघीकारते  
सीः सरती पायां पासीकेली मार्गः ॥५॥  
नकेदासखराः परीजालाहा डंगोराः  
॥६॥ यासकायेकरंजाताः तुंहे सकळ



Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

जा पा तां: ॥७॥ ना ही पु प्य गाठी: जे हे  
वे चु को प हा सा टी: ॥२॥ तु का का स या  
उ पा घी: वा ढ वी ली ल पा नी घी: ॥३॥  
तु ज वी पा स ता नी या चा व द वी ता:  
॥१॥ घृ ॥ ऐ से न्वा ता पो दा सा: जा  
लो म्हा उ नी द: ॥४॥ तु म्ही दी ला  
घी र: तरी हे मन जा ले स्था र: ॥५॥ तु  
का म्हा पो बा ड: के लो मी हे वु शे को ड:  
॥६॥ ७॥ १०० का ये मी जा पा तां: तु



Joint Project of the  
National Sanshodhan Mandal, Dhule and the  
Yashwantrao Chavan Pratishthan,  
Mumbai.

धुनि यां ब्रनं ताः ॥१॥ घृ॥ लोहाकरं ब  
 ती शयेः काये तु महादयानयेः ॥६॥  
 काये तु जना ही नपाः वीश्वाची या  
 माये वापाः ॥१॥ मरुपो वापीः मा  
 श्री वदे तु महा ह ॥३॥ ६॥ ६॥ ०० काये  
 शानेश्वरी तु पोः ता ही पाठ वी लं घरणः  
 ॥१॥ घृ॥ मरुपा तु नी जा पा वी ली मा तः ब्रा  
 ई को नी यां ली र्वी तः ॥६॥ ज ही जा णं  
 अनीः वद वी से व का ची वा णीः ॥२॥

तुका म्हणे सेवाः होता सा सा क्वी हा ठे  
वाः ॥ ३ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ० ० ठे उनी यां डो ईः पायी  
जालो ये के सो ईः ॥ १ ॥ घृ ॥ कार पाते तु  
म्ही जाणाः मीत न रायणाः ॥ ५ ॥  
प्रसंगी वचनः ते च रवा वें ला  
नः ॥ २ ॥ तुका म्हणे तारः तुम्ही जाणा  
थोडे फारः ॥ ३ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ० ० नको का हीं  
पडों ग्रंथाची ये मरीः सी घृ वतक  
हिं हे ची ला तांः ॥ १ ॥ घृ ॥ देवाची ये चा



Project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

8A

डे ला व वा वे दे वाः वो स दे हे मा वा पा डु  
नी यांः ॥७॥ ध्यां स च न ध्यां ली ती कां  
ची ये मु र्वीः ग प वा स से र्वी न च्चु क तीः  
(१) ॥२॥ उ धारा च मे न ये न के है साः  
प त ना सी ई च व स्य कः ॥३॥ शो क  
डी पा त ली र्वी ग ल राः बा तां पु ज  
गराः को ठ व रीः ॥४॥ तु का म्ह पो ध्या ली  
ना मा सा टीं उ डीः पां डुरं ग थ डीः पा व  
वी लः ॥५॥ ७॥ ६॥ ०० दे वा पा सीं ना हीं

मोक्षार्थं गाठोलेः लाणुनीनीराळः  
ध्यावं हार्ताः ॥१॥ घृ ॥ इं डी या चा ज ये सा  
घुनीया म नाः नी वी श कार पाः ला हे  
ते र्थेः ॥७॥ उ पा र ण र णी अ क्ष रां ची  
बायीः स ल्क मी यीः ऐ से फ लः ॥२॥  
बा दर सं क ल्प न्नी अ ती रा येः सह  
ज र्ते का येः दु र्व ज्ञा पोः ॥३॥ स्व प्री च्या  
घा ई वी व ल्क सी वा यांः र डे र डे ती याः  
स र्वे मी थ्याः ॥४॥ नु का म्हु णे फ ल्क बा

(9A)



Joint Project of the Relawale Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai



रावें कीर्तनः ते व्हां लालें जावाः फळ  
यासीः ॥१॥ घृ॥ नाहीं तरि वार्यां केली  
तों उपीयीः उरिते सेवयीं उरलीचः  
॥६॥ पढोनीयां उरि गुणा गावेः ग  
वें तें जानार्थः जाळें ॥१॥ तपती  
र्या टपा तरी वा प्रीधीः स्थीर रा  
हे बुधीः हरि चानामी ॥१॥ या गय  
ज्ञादीक काये दान धर्मः तरि फळ  
नाम कंठी राहे ॥६॥ तुका म्हुणे न



10A

॥ को का बाडाचे मरीः पडों सार घरीः हे  
ची ये कः ॥५॥७॥७॥०० गो वी द गो वी दः  
मना लागली या छंदः ॥१॥ घृ ॥ मग गो  
वी द ते का याः हे ही दे वा त याः ॥७॥  
बानंद ले न नुं पां शर ती लो च  
नः ॥१॥ तु का म्पु ण्डीः ले वी नुरे  
ची वे ग ल्हीः ॥३॥७॥७॥०० ज्या चें ज  
या घ्या नः तें ची हो ये या चें मनः ॥१॥ घृ  
म्पु पा उ नी ब व र्चें सा राः पां डुरं ग द

आळ... ॥६०॥ उठ बोली लों वचनः  
उत महे दानः बालें युचें ॥६१॥ धेउ  
नीवी पाग जा वेल वला द्याः बाले ती  
या ठा याः आ पु ली याः ॥१॥ तु का म्पु पा  
ज्ञान देवी समु क रा मी पा ये ये  
ई न वं दुः ॥७॥ ॥१॥ ॥१॥ ज्ञा नी वां चा तुं  
रा जा मा हा रा वः न्प पा ती ज्ञा न दे वः  
ये सें तु म्हां ॥१॥ ॥१॥ म ज पा म र  
का ये थो र प पाः पा ई ची रा हा ॥६॥



Shri. Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai





लुवी प्रवा... याचं शरीरः सदा ते  
को... वीरा लपोतकीः पुरुवा हेः ॥११  
काये हाचा वेल जाईल मांडवाः  
तैसा ठेवाः ल्या का प ठेः ॥१२॥ मा  
संकल होवा र... डाः क...  
ताडाः उ... रहेः तुक... होजेस  
कुचराचा दाया... परिपाकी जाणाः  
खोटा ते सा ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥  
नये पापाची सी दोरिः त मो गुणे प...



Project of the eGangotri  
Shri Yashwantrao Chavan Pratishthan  
Shri Yashwantrao Chavan Pratishthan  
Shri Yashwantrao Chavan Pratishthan



## मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

---

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे  
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)  
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८  
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com